goods wagons at Beharigan, North Eastern Railway Station in the District of Saharsa (Bihar), the traders could not despatch jute to Calcutta since last two months, with the result that their entire contracts for supply to jute were cancelled;

(b) whether their advance and timely registration for supply of wagons were not taken note of ; and

(c) if so, what steps are being taken to prevent the recurrence of such incidents ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) and (b). Movement of jute from Beharigan had been satisfactory up to March 1971. 466 wagons were loaded during January to March 1971 and only 34 demands were outstanding at the end of March. There was also heavy cancellation of indents. Large number of registrations were made in April 1971, but the same could not be cleared expeditiously due to suspension of movement via Garhara/Barauni from 27-3-71 to 26-4-71 due to illegal strike of railway staff and the aftermath thereof in May. During the period 1st April to 10th June 1971, 120 wagons were loaded from this station.

(c) Arrangements are being made to clear the on hand registrations promptly keeping in view the movement possible on Eastern Rly. under the existing operational difficulties due to unsatisfactory law and order position.

Late running of trains between Mansi Jn. and Katihar Jn. via Saharsa and Purnea.

2799. SHRI R. P. YADAV : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether almost all the trains running between Mansi Jn. and Katihar Jn. via Saharsa and Purnea are generally very late and passengers have to suffer very much on this account; and

(b) if so, the steps being taken to prevent the late running of trains in that side of North Eastern Railway ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) No. Only four of the 18 trains viz., 401 Up, 412 Dn, 413 Up and 422 Dn. of Mansi-Saharsa-Banmankhi-Purnea-Katihar section run generally late due to heavy alarm chain pulling. Punctuality of other trains is about 80%.

(b) To arrest alarm chain pulling special checks are arranged and educative propaganda also undertaken.

Transfer Policy for Station Master and Assistant Station Master in Delhi Division (Northern Railway)

2801. SHRI RAJDEO SINGH : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the Divisional Superintendent, Northern Railway, Delhi has adopted a new transfer policy for Station Masters and Assistant Station Masters since last year ;

(b) whether this new policy of transfer has been opposed by a very large section of the above categories of Railway employees rights of seniority are ignored : and

(c) if so, the reaction of the Government in this matter ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) The system of periodical transfers of Railway servants coming in contact with the public, has been held in abeyance since 1968. Similarly the system of transfers for adjustments of staff according to classification of stations based on their traffic importance, which was in vogue on some Railways including the Northern Railway, has also been held over for so long as the orders banning the periodical transfers are in force.

(b) and (c). There has been some representations against the above change in the system. But there is no proposal at present to restore the old system. A review of the present arrangements is, however, made periodically.

गढ़वाल में गौनीखेरा बांध

2802. **श्री प्रताप सिंह नेगी : क्या सिंचाई और विद्युत मन्त्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गढ़वाल में बांध का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव था जिससे कि पौड़ी,

श्रीनगर, देवप्रयाग तथा आस-पास के अन्य स्थानों को बिजली सप्लाई की जा सके ;

(ख) क्या उक्त बांध के निर्माण कार्य को स्थगित कर दिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उक्त निर्माण-कार्य के पुनः कब तक आरम्भ करने की सम्भावना है तथा उक्त बांध से कब तक बिजली उत्पन्न होना आरम्भ हो जाएगी ?

सिंचाई और विद्युत मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) से (ग). ऊपर बताये नगरों में विद्युत सप्लाई करने के लिए राण्डी नदी की सहायक नदियों गंवर स्यूं और सितोन स्यूं के बहाव का समुपयोजन करने के वास्ते गेंठेचेरा पर 1965 में एक लघु जल-विद्युत परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव था। यह परियोजना मार्च, 1969 में पूर्ण हो गई थी। कोई बांध बनाना परिकल्पित नहीं था। अतः बांध पर कार्य को स्थगित करने का प्रश्न ही नहीं है।

उसी जिले (पौड़ी गढ़वाल) में ही स्थित अन्य लघु जल-विद्युत परियोजना का पूर्वी नयार नदी पर गोनीचेरा में बीरोंखल, दोमेला, बंजरों और थेलीसेन ग्रामों में विद्युत सप्लाई करने के लिए अनुसंधान किया गया था परन्तु गैर-किफायती होने के कारण इसको छोड़ दिया गया था।

कोटद्वारा तथा ऋषिकेश के लिए विशेष रेल-डिब्बे

2803. **श्री प्रताप सिंह नेगी** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गर्मी के मौसम में यात्रियों की संख्या में हुई वृद्धि को देखते हुए 84 विशेष रेलगाड़ियां चलाने का एक कार्यक्रम तैयार किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो कोटद्वारा तथा ऋषिकेश के लिए कितनी विशेष गाड़ियां अथवा रेल-डिब्बे उपलब्ध कराये गये हैं अथवा कराने का विचार है ;

(ग) क्या केदारनाथ-बद्रीनाथ यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ; और

(घ) कोटद्वारा तथा ऋषिकेश के सम्बन्ध में सरकार का विचार क्या प्रबन्ध करने का है ;

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क) 1971 में गर्मी के दिनों की भीड़-भाड़ की निकासी के लिए उत्तर रेलवे ने 71 स्पेशल गाड़ियां चलाने का कार्यक्रम बनाया है।

(ख) कोई नहीं, यातायात का औचित्य न होने के कारण।

(ग) जी नहीं।

(घ) कोई नहीं।

दिल्ली से कोटद्वारा के लिए मसूरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी में एक यात्री डिब्बे का पुनः लगाया जाना

2804. **श्री प्रताप सिंह नेगी** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मसूरी एक्सप्रेस में दिल्ली से कोटद्वारा तक के लिये लगाये गये यात्री डिब्बे इस रेलगाड़ी में अत्यन्त अधिक संख्या में यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकता पूरी करने में अपर्याप्त हैं ;

(ख) क्या उन यात्री डिब्बों में पहले से लगाया जाने वाला एक यात्री डिब्बा अब बन्द कर दिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उक्त रेलगाड़ी में फिर से एक यात्री डिब्बा लगाने का है और यदि हां, तो कब तक ?

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क) जी नहीं।